B.A. sem - VI

EXERCISE

WER BOOK (WITH OMR SHEET)

(For Personal Use Only)

એક્સરસાઇઝ જવાબવહી (OMR SHEET સાથે)

(માત્ર અંગત ઉપયોગ માટે)

Dr. K.N. Ravat

પરન્તુ નિબંધ પ્રશ્ન

P - 313, 315

ની સહી

s Signature

બારકોડ સ્ટિકર અહીં ચોંટાડવું.

Affix the Barcode Sticker here.

મુખ્ય જવાબવહી Main Answer Book	પુરવણી Supplement	કુલ Total
1 +	=	

મ સાથે

with Name

प्रश्न / પેટા પ્રશ્ન ક્રમાંક Question Sub-question No.

Q.

(5) + + + =

PAPER - 313

गुजरात युनिवर्सिटी अप्रैल 2017 हिन्दी CC 313
[आधुनिक हिंदी पद्य का इतिहास (1950) तक]
Hours - 3 घंटे।

① भारतेन्दु ------ के अनन्य भक्त थे।
(शिव, राधाकृष्ण, राम)

② भारत भारती गुप्त जी के ------- रचना है।
(अर्थहीन, उद्देश्यपूर्ण, महत्त्वपूर्ण)

③ निराला जी ------- कवि है।
(छायावादी, प्रगतिवादी, प्रयोगवादी)

④ मैथिलीशरण गुप्त ---- है।
(लोककवि, राज्यकवि, राष्ट्रकवि)

(5) 'मुकरी' से तात्पर्य है, पहेली या समस्या।
=> सही।

(6) जयशंकर प्रसाद प्रगतिवादी कवि है।
=> गलत।

(7) मुकरियों से ------- की कसौटी भी होती है।
=> (बुद्धि, आत्मा, मन)

(8) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म ---- परिवार में हुआ था।
(वैश्यों, ब्राह्मी, क्षत्रीय)

YOUVA

Q.
(9) पंतजी का बच्चपन का नाम ------ था।
=> (अभिनत दत्त, कुमारदत्त, गोसाई दत्त)

(10) भारतेन्दु ने ब्रज और खड़ीबोली दोनों का प्रयोग किया है।
=> सही।

(11) प्रगतिवादी कवियों की भाषा का आदर्श गुण संम्प्रेषणीयता है।
=> सही।

(12) मार्क्सवाद का साहित्यिक रुपान्तर ही प्रगतिवाद है।
=> सही।

(13) भारतेन्दु हरिशचन्द्र का जन्म --- ई॰सन् में हुआ।
=> (1850) (1950) (1750)

(14) तीन बुलाये तेरह आवें, निज-निज विपदा रोई चुनावे, आँखे फुटे भरा न पेट, क्यों सखि साजन नहि -----
(पोस्टग्रेजुएट, ग्रेजुएट)

(15) निराला का वास्तविक नाम ----- है।
(सुरज कुमार, सुनील कुमार, सुरेश कुमार)

(16) मुकरियों कि बातें एकार्थी होती हैं।
=> सही।

(17) 1936 में लखनऊ में प्रगतिशील लेखक संग की अध्यक्षता प्रेमचंद ने की थी।
=> सही।

प्रश्न / પેટા પ્રશ્ન ક્રમાંક Question Sub-question No.	☐ + ☐ + ☐ + ☐ (6) = ☐

Q.

(18) निराला ने मुक्तछंद का आविष्कार किया था।
=> सही।

(19) छायावाद स्थूल के प्रति ~~स्थूल~~ (सूक्ष्म) का विद्रोह है।
=> गलत

(20) राधाकृष्ण दास और श्रीधर पाठक ----- युग के कवि है।
=> भारतेन्दु युग

(21) भीतर - भीतर सब रस चुसै, हसि - हसि तन, मन, धन मुसै। पंक्ति ----- कवि की है।
=> भारतेन्दु।

(22) पंक्ति ---- की है।
=> भारतेन्दु की।

(23) समस्यापूर्ति और काव्यानुवाद ---- युग की प्रमुख प्रवृतियां रही है।
=> भारतेन्दु।

(24) छायावाद स्थुल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।
=> सही।

(25) हमारो उत्तम भारत देश ----- ने कहा था।
=> राधाचरण गोस्वामी।

(26) समस्यापूर्ति और काव्यानुवाद ----- युग की प्रमुख प्रवृतियां रही है।
=> भारतेन्दु।

YOUVA

Question Sub-question No.

(27) फूलों का गुच्छा ---- कवि की काव्य रचना है।
=) भारतेन्दु ।

(28) श्रीधर पाठक का जन्म वर्ष ---- है।
=) 1857

(29) श्रीधर पाठक का जन्म ----- गाँव में हुआ था ।
=) जौंधरी।

(30) मनोविनोद धन विनय और गुणवंत हेमंत श्रीधर पाठक की रचनाएँ है।
=) सही।

(31) श्रीधर पाठक ---- युग के कवि रहे है।
=) भारतेन्दु

(32) द्विवेदी युग का प्रारंभ ------ वर्ष से माना जाता है।
=) 1901

(33) द्विवेदी युग को सुधार काल की संज्ञा दी जाती है।
=) सही।

(34) द्विवेदी युगीन कविता का मुख्य स्वर ---- है।
=) राष्ट्रीयता ।

(35) नीति और आदर्श तथा वर्णविषय का क्षेत्र विस्तार ---- युग की प्रधान प्रवृतियाँ रही है।
=) द्विवेदीयुग की ।

YOUVA

प्रश्न / પેટા પ્રશ્ન ક્રમાંક Question Sub-question No.

+ + 8 + =

Q.

(36) किसान ------ की श्रेष्ठ काव्य रचना है।
=> गुप्तजी।

(37) रामनरेश त्रिपाठी का जन्म वर्ष 1881 है।

(38) मिलन, पथि, स्वप्न और मानसी रामनरेश त्रिपाठी की काव्य रचना नही है।
=> गलत।

(39) ---- रामनरेश त्रिपाठी को हिन्दुस्तान अकादमी पुरस्कार मिला है।
=> स्वप्न।

(40) रामनरेश त्रिपाठी ---- कवि है।
=> राष्ट्रकवि।

(41) "हे प्रभु! आनंद दाता ज्ञान हमको दीजिए" पंक्ति ---- कवि की है।
=> रामनरेश त्रिपाठी।

(42) हिन्दी में छायावाद का प्रारंभ ---- वर्ष से माना जाता है।
=> 1920 (1919)।

(43) छायावादी काव्यप्रवृति --- पत्रिका में मिलती है।
=> सरस्वती।

YOUVA

प्रश्न / પેટા પ્રશ્ન ક્રમાંક Question Sub-question No.

+ 9 + + =

Q.

(44) मुकुटधर पांडेयने छायावाद शब्द का प्रयोग व्यंग्यात्मक रुप में किया था।

⇒ सही।

(45) छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।" यह ----- ने कहा था।

⇒ डॉ॰ नगेन्द्र।

(46) आचार्य शुक्ल ने छायावाद का अर्थ रहस्यवाद और भाषाशैली के अर्थ में किया है।

⇒ सही।

(47) व्यक्तिकता और नई सूक्ष्म सौंदर्य दृष्टि ----- युग की प्रमुख प्रवृतियाँ रही है।

⇒ छायावाद।

(48) " जो घनी भूत पीड़ा थी मस्तक में स्मृति सी छाई, दुर्दीन में आँसु बनकर वह आज बरसने आई।" आँसु काव्य ---- कवि की पंक्तियाँ हैं।

⇒ जयशंकर प्रसाद।

(49) "बीती विभावरी जागरी में मानवीकरण अलंकार है।"

⇒ सही।

(50) " तुमको पीड़ा में ढूंढा, तुममे ढूंढती पीड़ा"। में ---- भाव है। ---- की पंक्ति है।

⇒ (1) वेदना, पीड़ा (2) महादेवी वर्मा।

YOUVA

Question Sub-question No.

[ ] + [ ] + [ ] 10 + [ ] = [ ]

Q.

(51) महादेवी वर्मा का जन्म वर्ष ---- है।
⇒ 1917 ।

(52) ----- को आधुनिक मीरा कहा जाता है।
⇒ महादेवी वर्मा

(53) 'निहार' और 'रश्मि' ----- के काव्य संकलन है।
⇒ महादेवी वर्मा ।

(54) 'यामा' महादेवी वर्मा का चार काव्य संग्रहों का एक संकलन है।
⇒ सही ।

(55) 'स्मृति की रेखाएँ', 'अतीत के चलचित्र' और शृंखला की कड़ियाँ महादेवी वर्मा की रचनाएँ है।
⇒ सही ।

(56) महादेवी वर्मा का समस्त काव्य ---- मय है।
⇒ वेदना ।

(57) "मैं नीर भरी दुःख की बदली" महादेवी वर्मा की पंक्ति है।
⇒ सही ।

(58) महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार ----- काव्य संकलन पर मिला था।
⇒ यामा ।

(59) 'साकेत' एक ---- कवि की आधुनिक युग की काव्य रचना है।
⇒ 'मैथीलिशरण' ।

YOUVA

प्रश्न /
પેટા પ્રશ્ન ક્રમાંક
Question
Sub-question No.

+ 11 + + =

Q. (60) 'उर्मिला' ---- काव्य रचना का प्रमुख पात्र है।
=> साकेत ।

(61) 'साकेत' महाकाव्य में ------ बोली का प्रयोग हुआ है।
=> खड़ीबोली ।

(62) साकेत ने उर्मिला का चरित्र त्याग की भावना से ओत-प्रोत है।
=> सही ।

(63) 'आँसू' खण्डकाव्य जयशंकर प्रसाद कवि का है।

(64) 'आँसू' काव्य वियोगजन्य पीड़ा, उत्कृष्ट वेदना और असीम संताप का चित्रण करता है।
=> सही ।

(65) 'आँसू' एक गीतिकाव्य है।
=> सही ।

(66) 'आँसू' कवि की प्रेम वेदना की अभिव्यक्ति है।
=> सही ।

(67) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ---- युग के कवि रहे हैं।
=> प्रगतिवादी ।

(68) सक्सेना का जन्मवर्ष ---- है।
=> 1927 ।

OUVA

प्रश्न / पेटा प्रश्न क्रमांक
Question
Sub-question No.

12

Q.
(69) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ---- (सप्तक) के कवि रहे हैं।
=> तीसरे।

(70) सक्सेना को 1983 में ---- कविता संग्रह पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था।
=> 'खूटियों पर टंगे लोग।

(71) 'दिनमाल और परामल' नामक पत्रिकाएँ सक्सेनाजी के संपादकत्व में निकलती थी।
=> सही।

(72) मैं जहाँ होता हूँ, वहाँ से चल पड़ता हूँ, अक्षर एक व्यथा एक यात्रा बन जाती है। पंक्तियाँ ---- कवि की है।
=> सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

(73) 'बकरी' ---- का प्रसिद्ध नाटक है।
=> सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

(74) 'काट की घंटियाँ', 'बाँस का पुल', 'गर्म हवाएँ', 'कुआनो नदी' और 'जंगल का दर्द' सक्सेना के कविता संग्रह है।"
=> सही।

(75) 'आग का आईना' ---- है।
=> काव्यसंग्रह।

(76) 'आग का आईना' केदारनाथ अग्रवाल का काव्य संग्रह है।'
=> सही।

YOUVA

Question
Sub-question No.

13

(77) 'आग का आईना' काव्य संग्रह के प्रकाशन का वर्ष ---है।
⇒ 2009

(78) 'कहाँ नहीं पड़ती है किस पर', 'भेड़िये सा और लंगड़े की दुनिया भी लंगड़ी है आदि कविताएँ केदारनाथ अग्रवाल के ----- काव्यसंग्रह की है।
⇒ 'आग का आईना'।

(79) 'आग का आईना' कविता संग्रह की कविताएँ ---- विचारों से प्रभावित हैं।
⇒ 'प्रगतिवादी'।

—— X —— X ——

पेपर 315 & 313

S-em-6 PAPER-313
315

Dr. K.N. Rawat

Q. 1

* वस्तुनिष्ठ प्रश्न :-
PAPER-315

(1) रचना धर्मी का साहित्य एवं साहित्यकार का प्रमुख गुण है।
⇒ सही।

(2) साहित्यकार भावों, अनुभूतियों तथा -------- का सर्जन करता है।
⇒ संवेदना।

(3) साहित्य की रचना शब्दों से जरूर होती, लेकिन ------ के दृष्टिकोण और विचारों की आवश्यकता रहती।
⇒ लेखक।

(4) रचना प्रक्रिया तीन क्षणों की यात्रा होती है। ---- का कथन है।
⇒ मुक्तिबोध।

(5) रचनात्मकता का संबंध मनुष्य की अभिव्यक्ति की तड़प से है।
⇒ सही।

(6) प्लेटो के अनुसार साहित्य रचना अनुकरण का अनुकरण नहीं है।
⇒ गलत।

(7) भावों का सहज उच्छलन ही काव्य है ---- का विचार है।
⇒ वर्ड्सवर्थ।

(8) रचनाकार अपनी रचना में अतृप्त वासनाओं का चित्रण करता है, तब साहित्य ---- प्रकाशन जाता है।

प्रश्न / પેટા પ્રશ્ન ક્રમાંક Question Sub-question No.

Q.

⇒ मनोवैज्ञानिक ।

(9) यथार्थवादी सिद्धांत के अनुसार साहित्य सामाजिक सत्य का वाहक होता है।
⇒ सही ।

(10) कविता की रचना प्रक्रिया की यात्रा मूलतः अनुभावन से रूपायन की यात्रा है। यह ---- का विचार है।
⇒ आई. ए. रिचर्ड्स ।

(11) कविता एक भाषिक रचना है ।
⇒ सही ।

(12) कविता में शब्द और अर्थ की प्रधानता रहती है।
⇒ सही ।

(13) कविता को सौंदर्य प्रदान करने के लिए कवि लय, गति, तुक और ------ का प्रयोग करता है।
⇒ छंद ।

(14) उपन्यास जहाँ विस्तार की विधा हैं वही कहानी गहनता की विधा है।
⇒ सही ।

(15) कहानी और उपन्यास में ------ की आवश्यकता पड़ती है।
⇒ कथा ।

(16) कथा लेखक कथा को ---- के द्वारा प्रासंगिक बनाता है।
⇒ देशकाल और वातावरण (परिवेश) ।

YOUVA

4

(3)

| Question Sub-question No. | | + | | + | | + | | = | |

Q.

(17) नाटको में ----- तत्त्व नाटकीयता पैदा करता है।
⇒ संवाद ।

(18) ------ तत्त्व नाटक विधा के लिए आवश्यक है।
⇒ रंगमंचीयता ।

(19) नाटक के मुख्य ---- अंग होते है।
⇒ तीन । (आदि , मध्य और अंत)

(20) नाटक दृश्यकाव्य है।
⇒ सही ।

(21) संकलनत्रय ,रंगनिर्देश आदि ----- विधा के लक्षण है।
⇒ नाटक ।

(22) नाटक की भाषा वर्तमान काल की भाषा होती हैं,जिसमे में परक शैली ज्यादा होती है।
⇒ सही ।